

No, 20/3/93-Edu. III(5)

From

The Financial Commissioner & Secretary to Govt.,
Haryana, Education Department.

- 1- Commissioner of Divisions in Haryana.
- 2- All Deputy Commissioners and Sub-Divisional Officers in Haryana.
- 3- Director Secondary Education/Director Higher Education, Director Primary Education, Haryana, Chandigarh.
- 4- All D.E.O's, D.P.E.O's and S.D.E.O.'s, in Haryana State.

Dated, Chandigarh, the 17th Nov. 1973.

Sub: Policy regarding association of the name of the donors with school building or other educational institutions already in operation.

Sir,

Government has carefully considered the matter regarding taking over of private buildings for schools where the owners of such buildings request to donate them to the Government for running an educational institution on the condition ^{that} the name of such donor or any person of choice of donor may be associated with the school. After careful consideration Government has decided as follows.

A standing committee under the chairmanship of the local S.D.O (Civil) with the following officers as members.

- 1- D.E.O of the area concerned.
- 2- Headmaster/Head of Institution.
- 3- XEN, PWD, (B&R), of the area concerned, will look into the question of the suitability of such proposal.

ii) The committee will examine all the aspects and make suitable recommendations to the Govt. through Director, Secretary Education. Their recommendations will be binding on all concerned, once the approval of the Govt. is conveyed.

~~Committee shall inter alia keep the following in view while~~
making its recommendations:-

- a) the condition of the building should be good and be assessed through XEN, PWD(B&R), of the area concerned who is member of the committee, who will certify it as fit for being taken over by the Government.
- b) The building will be adequate for teaching work and should be enough to meet the future requirements for at least 10 years. Donors should also undertake to meet additional requirements of the building as may be necessary for expansion or adaptation.

contd.../2

3- It is proposed to exempt the gift deed from the payment of stamp duty. In this regard necessary approval of the Revenue Department is being obtained and will be conveyed as soon as received.

Rico

Joint Secretary Education,
For Financial Commissioner & Secretary to Govt.,
Haryana, Education Department.

MP-1770193

आयुक्त एवं सायब, हारघाणा सरकार के यादी क्रमांक 23/26/84 ति-ता 13 दिनांक 12.6.86 तथा यादी क्रमांक 26/23/91 ति-ता 14 दिनांक 20.1.92, जो निदेशक सैफ़डरी सिधा तथा अन्यो को प्रोभत है, को प्रोतलिपो ।

=====

विचार:- मुख्य मंत्री महोदय द्वारा सिधा विभाग की गतावाधियों को समाधी करते समय लिये गये निर्णय :-

राजकीय स्कूलो के भवनो के साथ दानवारी का नाम जोडने बारे ।

=====

उत्तरोपत अवश्य पर आपके यादी क्रमांक 7/25-85 वर्क 11 दिनांक 16.12. के सदर्थ में ।

राजकीय स्कूलो के भवनो के साथ दानवारी का नाम जोडने के मामले में सरकार के यादी क्रमांक 23/26/84 ति-ता 12 दिनांक 12.6.86 के अतिगत लिये निर्णय/मापदण्डो/अनुदेशो के मद क्रमांक 5 में संगीधन करवाने हेतु सरकार के विचाराधीन रहा है । अब इस पर विचार करके यह निर्णय लिया गया है कि राजकीय स्कूलो के भवनो के साथ दानवारी का नाम जोडने के लिए अनिर्णित मापदण्ड, अपनाया जावे:-

1. दानो दान की गई भूमि तथा उस पर निर्मित किये गये भवन को सरकार को मालिक करना चाहता है ।
2. दानवीर इलाके का "वैल ररपुॉ" प्प्राप्त है ।
3. पचायत ने अमुक दानवीर द्वारा निर्मित को गई बिल्डिंग को सरकार द्वारा मालिक के रूप में स्वीकार करने बारे रैजुलेशन पास किया हो । शहरो इलाको में इस प्रकार का रैजुलेशन म्यूनिसिपल कमिटी अथवा नोॉपॉइंड रोरया कमिटी आद द्वारा पास किया जाना चाहिये । जहां दानवीर को अपनी भूमि हो और उसी पर भवन बनाकर दे दिया जाये, तब रैजुलेशन की जरूरत नहीं है ।
4. बिल्डिंग का नपशा वही होना चाहिये जो कि सरकार ने दिनांक 13.6.85 को अनुमोदित किया है । भवन कम्प्लोनि सर्टीफिकेट भी पो.०००० डी. द्वारा दिया गया हो । इस प्रकार के जो मामले 13.6.85 से पहले चल रहे हैं उन बारे भवन का प्लान हारघाणा के वीक आरचीटैप्ट द्वारा अनुमोदित होना चाहिये । तथा कम्प्लोनि/पिप्ले प्रमाण पत्र पो.०००० डी. विभाग द्वारा दिया होना चाहिये ।
5. याद जोई दानवीर स्कूल भवन बनाकर देता है और वह स्कूल बाद में अपग्रेड हो जाता है तो दानो का नाम स्कूल के साथ जुडा रहेगा । दानवीर चाहे तो अपग्रेड स्कूल के भवन में अतिरपत कमरे बनवा दे अन्यथा अपग्रेड स्कूल में अतिरपत कमरो का निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा ।

ऐसे प्रत्येक मामले में सिधा मंत्री तथा मुख्य मंत्री महोदय के आदेश प्राप्त किये जायें ।

=====

कार्यालय: निदेशक, सैक्रेटरी, सिंधु, हारवाग।

पु० क्रमांक 15-स-7/25-85 वर्क १११ दिनांक: कडोग, 17-2-92

इसका एक प्रति राज्य के सभी जिला सिंधु अधिकारियों को इस कार्यालय के पृष्ठांक क्रमांक 4818-7/25-85 वर्क १२१ दिनांक 19.9.86 के अनुक्रम में भेजा जाता है। भविष्य में दानों का नाम जोड़ने के लिये जो भी मामला भेजा जाये उसे सरकार के इस निर्णय के दृष्टिगत पूर्ण करके भेजा जाये।

4
अ.स.स. 14-2-92
उप निदेशक, सिंधु/निर्माण,
कृते: निदेशक, सैक्रेटरी, सिंधु-हारवाग।